

21/02/25

एजावली वाली का डेरा प्रस्तुत हुई।
प्रकरण विचन प्रकार है -
* शार्डी तहसीलदार लाडपुरा द्वारा एक
शार्डीनापत्र अन्तर्गत आता 136 टन
ग्र. राल्फ औषधिपत्र 1956 इत का
प्रस्तुत किया गया है कि जमावन्दी पत्र
2034-37 में मात्र रोडलीपुरीद्वि क्षेत्र में
रखला नं. मि. 63 की 14 बीघा 4 बिघा
राजकीय शिवालय क्षेत्र में ग्र. सु. वरडी
द्वारा ग्रीफाई थी।

* ग्रं. प्रबन्ध विभाग द्वारा दौरे में
टैरलमेंट संवत् 2038-57 इत आरक्षी
के नवीन रखला नं. 59 रकबा 0.1714
क्षेत्र बरानी सोपन बनाकर नवीन सं.
59 का जयवीर पुत्र त्रानसिंहलाह व
गुट्या डापुर पुत्र विरत डापुर के नाम
द्वारा कर दिया गया।



प्रशासनिक अधिकारी

शार्डीनापत्र प्रस्तुत कर तहसीलदार

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

हुक्म

रवावडाची ३
तथा चमरावडी १

लाडगुदा द्वारा निवेदन किया गया है
कि अ. प्रबन्ध जमाबन्दी संवत् २०३३-५७
में किये गए इफ्त इन्जाम को निरस्त
किया जाकर वर्तमान जमाबन्दी अनुसार
खस्य नं. ५१ रकबा ०.१७ मूठ को
राजकीय सिवायक फिज करानी लीक
दर्ज किया जावे।

* प्रार्थनापत्र दर्ज कर अप्रार्थीगण को
तलब किया गया।

* अप्रार्थीगण द्वारा जवाब प्रार्थनापत्र
प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि
ग्राम खेडली पुणेहिन की खस्य नं.
६३ में से ०.०५ एकड़ (१ बीघा) भूमि
प्रतिवादीगण को राजस्थान जखव
परियोजना भूमि आंखन एवं विक्रय
नियम १९५७ के अन्तर्गत ₹ १२००/-
में कीमत आंखन की गई थी।
आंखन की बातों की पूर्ण पालना के



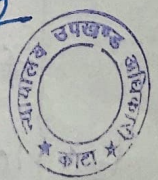
अखण्ड अधिकारी
कोटा

कारण इस्तगत भूमि पर प्रतिवादीगण को

रवानेडादी औभकाट प्राप्त हो गाने,
तया लम्बावन्डी संवत् २०३४-२०३७
में उपरोक्त भूमि प्रतिवादीगण के रहने
दली सिद्धि थी।

* प्रतिवादीगण द्वारा यह भी निवेदन
किया गया है कि दस्तगत आराम्पी
प्रतिवादीगण को कन्दटा लुम्बाट योन्पना
के अन्तर्गत विपत्रानुसार आंवरिन की
शुद्धि थी, कन्दटा लुम्बाट योन्पना के
अन्तर्गत उप भूगण्य संख्यक (पीयोन्पना)
कोटा को कलेफट्ट कोली नाद्रन्नेकाव श्री
शक्तिचो प्राप्त है। उक्त शक्तिचो के
तहत प्रतिवादीगण के पत्र में दस्तगत
आराम्पी का विपत्रानुसार आंवरिन किया
गया है। अतः प्रस्तुत पार्श्वगापत्र रवाना
किया जावे।

* न्यायालय उपटवण्ड औभकाटी शौरा
द्वारा अपने निर्णय दिनांक २५/०६/२०२२
द्वारा प्राप्ति तहसीलदर लाडपुया द्वारा



अपने अधिकारी
कोटा प्रस्तुत पार्श्वगापत्र दहीकाट कर किया गया

कार्यवाही मय

हुक्म या कार्यवाही

प्रतिवेदन संख्या
प्रतिवेदन

तारीख
हुक्म

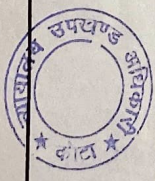
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

तथा आदेश दिचे गह कि यात्र
रेडली पुणे दिव श्री आराम्पी ए.नं.59
रकबा 0.14 NPT पर थे अशानी का
नाम राम्पव रिफ्रि थे हटाया जाह
वारम सिवाय चक्र रगता सपकाट किम
गै.सु. बरडी दर्ल केया जावे ।

* प्रतिवादीगण हारा न्यायालय SDM
कोटा के निर्णय दिनांक 24.06.2002
के विरुद्ध प्रथम अपील ^{न्यायालय} ADC कोटा
में रजुव की गई ।

* न्यायालय अतिरिक्त संभागीय समुह
कोटा हारा अपने निर्णय दिनांक 27/12/05
हारा न्यायालय SDM कोटा का निर्णय
दिनांक 24/06/2002 निरस्त कट दिया गया
तथा प्रकरण इत निदेश के साथ प्रोसेसिंग
किया गया कि पत्रकारों को पुनर्वाप
व माफ्य का प्रयुक्त अवसर प्रदान कट

10 दिवस में नये सिटे थे पुनः



न्यायालय अधिकारी
कोटा

निर्णय पारित किया जावे ।

* प्रतिवेधित प्रकरण रिकार्ड परवेक्ष
प्रतिवादीगण का स्याक्य का अदालत फंडन
किया गया।

* प्रतिवादीगण द्वारा निम्नलिखित
इस्लाम प्रस्तुत किये गए -

- प्रमाणित प्रतीतिपि, नात्रावत्कण
संख्या 64 दिनांक 24/11/1978
- प्रमाणित प्रतीतिपि - मिलान क्रमांक
संवत् 2038-57
- प्रमाणित प्रतीतिपि - सत्रावन्दी
शात्रवेडली पुणेहित संवत् 2038-57
- प्रमाणित प्रतीतिपि - सत्रावन्दी
संवत् 2047-2050
- प्रमाणित प्रतीतिपि - सत्रावन्दी
संवत् 2051-2054

* बहल मुनी गति।

* हमने एत्रावली व संवेवन इस्लाम
का आशोशान्त अवलोकन किया व

पदम विद्धान अभिभाषक प्रतिवादीगण पर



तारीख
हुकम

गठभीरता पूर्वक खबर किया।

* पत्रावली में संलग्न इतरावेल्सों

के यह प्रमाणित है कि जयवीर सिंह

व गुलिया ठाकुर द्वारा इतरगत आराखी

के सम्बन्ध में चक्कल पीछे करना

सदकारी नमि आवंटन एवं विक्री विपत्र

के तहत नीलागी में 11/06/1977 को

बुय की गई थी। उक्त नीलागी के

आधार पर विपत्र 9 के तहत प्रमाणपत्र

(किसत) दिनांक 23/12/1977 को जारी

किया गया था। तथा उक्त नीलागी

के आधार पर दिनांक 10/05/1980

को प्रतिवादीगण को निपत्रानुसार आवक

दिया गया था।

उक्त नीलागी के आधार पर ही

इतरगत आराखी नामांतरकरण नं. 64

दिनांक 18/02/1978 एवं प्रतिवादीगण

के स्वार्थ दर्ज की गई।



न्यायाधीश
कोर्ट

संलग्न नमावन्दी संवत् 2034-37

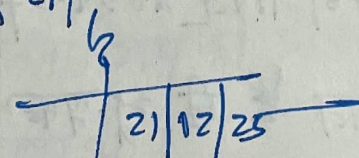
की स्वतंत्रता का अंग 6 वर्ष चढ़ती
प्रमाणित है कि स्वतंत्रता न. सि. 63 2004
एक वीजा आराम्नी प्रतिवादीगण के
सम्बन्ध में रिजिस्ट्रि।

* उपरोक्त तथ्यों से यह पूर्णतया प्रमाणित
है कि प्रतिवादीगण द्वारा दत्तगत आराम्नी
पञ्चल परीक्षणना राज्यीय नमि आराम्नी
एवं विज्ञान विभाग 1957 के तहत नियमानुसार
नीलात्री में कुछ की गई थी, तथा
तत्सम्बन्धित नियमानुसार राज्यीय रिजिस्ट्रि में
प्रतिवादीगण का नाम दर्ज किया गया
था।

* संलग्न प्रमाणिका संख्या 2034-37
से यह भी प्रमाणित है कि न. प्रमाणिका
की कार्यवाही से पूर्व ही दत्तगत आराम्नी
प्रतिवादीगण के सम्बन्ध में रिजिस्ट्रि।
इससे यह पूर्णतया प्रमाणित हो जाता
है कि प्राचीन तहसीलदार लाइपुय द्वारा



7
सम्बन्धित कार्यवाही
कोटा गवत तथ्यों के आधार पर यह प्रमाणित

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तामील में जारी हुए</p>
	<p>सम्बन्धित किया गया है।</p> <p>* उक्त विवेचन के आधार पर हम श्री श्री नरसीचंदर वाडपुरा द्वारा संस्तुत प्रार्थनापत्र अन्तर्गत आरा 136 LP 197 अस्वीकार किया जाना न्यायोलित पाते हैं।</p> <p>* पीठागत: श्री श्री नरसीचंदर वाडपुरा द्वारा संस्तुत प्रार्थनापत्र अन्तर्गत आरा 136 शु. संख्या अस्वीकार कर स्वीकृत किया जाता है।</p> <p>* पत्रावली फ्रैमल शुभार दौकरी दीपक दफ्तर है।</p> <p style="text-align: center;">  21/12/25 न्यायालय अधिकारी काटा </p>	

